APRIL MONTH NOTES

VI- II LANG HINDI

PAGE:
DATE: / /

कविता - नव प्रभात पाठ - 1

कंठस्थ कविता : 1-8 lines Page No-11

I मौखिक प्रश्नोत्तर :

क) जग की निद्रा कब टूटी है ?

उ: प्रभात आने पर जग की निद्रा टूटी है।

ख) तुम भी अपनी आँखें खोलो के माध्यम से कवि ने क्या कहा है ?

उ: कवि कह रहे हैं कि अपने भीतर आत्मविश्वास लगाओ कल्पनाओं के लोक से बाहर निकलो।

ग) कविता का संदेश बताइए।

उ: जिस प्रकार प्रात: काल अँधेरे को दूर करके चारों ओर प्रकाश फैलाता है उसी प्रकार हमें भी अपने भीतर के अँधकार अर्थात दुःखों, अविश्वास आदि को दूर करके अपने जीवन में तथा अपने चारों ओर प्रसन्नता बिखेरना चाहिए।

I लिखित प्रश्नोत्तर :

क) मलय ने अपनी दिशा क्यों बदल दी है ?

उ: प्रभात के आने पर मलय ने अपनी दिशा बदल ली है जिससे नए दिन की शुरुआत सुगंध से भरी हो।

ख) हम अपने मन का अँधेरा किस प्रकार मिटा सकते है ?

उ: रात के अँधेरे के बाद आया प्रभात सारे जग में प्रसन्नता बिखेर देता है। प्रभात से प्रेरणा लेकर हम अपने मन का अँधेरा मिटा सकते हैं।

ग) सवेरा होने पर वृक्षों में क्या बदलाव आया है ?

उ: सवेरा होने पर वृक्षों की डालियों पर कोंपल फूटने लगी है।

घ) " कवि ने किसके समान गान गाने को कहा है ?

उ: कवि ने विहंगों यानि पक्षियों के समान गान गाने को कहा है।

PAGE:
DATE: / /

2) कैसा सवेरा आया है?

उ: नया सवेरा आया है।

3) उ: भर, रत - प्राण, प्रभात

सही विकल्प चुनकर लगाइए:

क) सोहनलाल द्विवेदी ख) नई शुरुआत का

भाषा - ज्ञान

I 1) जग - संसार, एक बरतन

2) कनक - सोना, गेहूँ

3) अरुण - लाल, प्रातःकालीन सूर्य

4) जल - जलना क्रिया, पानी

5) मन - एक तौल, हृदय

6) अंबर - वस्त्र, आकाश

2. पर्यायवाची शब्द

क) सुबह, भोर, प्रातःकाल

ख) पक्षी, खग, नभचर

PAGE:
DATE: / /

ग) पथिक, राहगीर, मुसाफिर

3. टूटी - छूटी, अरुण - किरण, फेरा - सवेरा

खोलो - धो लो, प्राण - गान

4. i) उ + ज् + ज् + व् + अ + ल् + अ

ii) स् + व् + अ + र् + ण् + इ + म् + अ

iii) प् + र् + अ + भ् + आ + त् + अ

iv) क् + अं + ह् + अ

5. निद्रा, नव, उज्ज्वल, स्वर्णिम

6. सवेरा, राही, निद्रा, किरण, अंबर, डाल, कोंपल,

रंग, आँखें, जल, मन, प्राण, गान, कंठ, प्रभात

PAGE:
DATE: / /

JUNE MONTH PORTIONS

STD: VI - II Lang - Hindi

पाठ - विभु काका

पाठ - फ़ैलबम

निबंध लेखन - प्रकृति और मनुष्य के संबंध (Pg-151)

शब्द भण्डार - पर्यायवाची 1-15 (Pg-40)

व्याकरण - वर्ण विचार
संधि और समास

PAGE:
DATE: / /

पाठ - विभु काका

मौखिक प्रश्नोत्तर:

क: विजय विभु काका को क्यों नहीं पहचान पाया?

उ: वेश-भूषा में परिवर्तन होने के कारण लेखक विभु काका को नहीं पहचान पाए।

ख: काका का अनोखा संसार किसे कहा गया है?

उ: खेतों में दो-दो ट्रैक्टर, घर में पशुधन, हरी-भरी सब्जियों की बगीची, लहलहाते खेत, फलों के बड़े बगीचे आदि को ही लेखक ने काका का अनोखा संसार कहा है।

ग: काका दूसरे गाँव में क्या करने गए थे?

उ: काका दूसरे गाँवों में रोगियों का हाल-चाल पूछने गए थे।

घ: विभु ~~काका~~ विदेश में क्यों नहीं रहे?

उ: उन्होंने अपने ही देश में रहकर गाँवों की हालत

PAGE:
DATE: / /

सुधारने और किसानों की सेवा करने की ठान ली थी इसलिए वे विदेशों में नहीं रहे।

लिखित प्रश्नोत्तर:

क: विजय ने जीपगाड़ी से जिस गाँव का भ्रमण किया उसकी क्या विशेषता थी?

उ: विजय ने जिस गाँव का भ्रमण किया, उस गाँव के सारे घर पक्के थे। सभी घरों के आगे गायें बँधी थीं। गाँवों के बीच एक पाठशाला थी और लोग स्वस्थ तथा हृष्ट-पुष्ट थे।

ख: कौन-सी बातें हैं जिनसे गाँवों का स्वरूप बदला जा सकता है?

उ: आधुनिक कृषि-उपकरणों का प्रयोग, साफ़-सफाई के प्रति जागरूकता, समुचित उपचार-व्यवस्था एवं शिक्षा आदि से गाँवों का स्वरूप बदला जा सकता है।

ग: विशु 'का' किस तरह के व्यक्ति थे? उनकी स्वस्थ जीवन शैली के बारे में लगभग साठ-सत्तर

PAGE:
DATE: / /

शब्दों का एक अनुच्छेद लिखिए :

उ: विभु काका सच्चे अर्थों में इनसान थे, वे बहुत विद्वान थे। विभु काका बहुत ही मिलनसार एवं स्नेही व्यक्ति थे। वे दूसरों के हित और विकास के लिए जीने में विशेष सुख का अनुभव करते थे।

घ: विजय को काका के चेहरे पर अनोखी चमक क्यों दिखाई दे रही थी?

उ: विभु काका दूसरों के लिए जीते थे। जो व्यक्ति जगहित के लिए काम करता है उसके चेहरे पर अलग ही चमक दिखाई देती है। इसलिए विजय को काका के चेहरे पर चमक दिखाई दे रही थी।

पुस्तक अभ्यास :

1. सही विकल्प चुनकर ✓ लगाइए :

क) वे कुरता - पाजामा पहनने लगे थे।

ख) पूसा कृषि अनुसंधान संस्थान में

ग) उपर्युक्त सभी

PAGE:
DATE: / /

भाषा - ज्ञान :

1. नीचे लिखे वाक्यों में रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए :

ता प्रत्यय जोड़कर भाववाचक संज्ञा :

1) उदारता 2) सरलता 3) वीरता 4) कायरता

5) सुंदरता 6) महानता

2. पर्यायवाची शब्द :

1) जग, जगत, दुनिया

2) विद्यालय, शिक्षालय, स्कूल

3) अमर, सुर, देव

4) प्रमुदित, आनंदित, हर्षित

3, शब्द युग्म :

पुनरुक्त - बदले-बदले, घर-घर, गाँव-गाँव

समानार्थी - साफ़-सुथरे, रिश्ते-नाते, होटल-क्लब

4. 'ने' का प्रयोग :

1. मोहित ने रोटी खाई।

PAGE:
DATE: / /

2. प्रधानमंत्री ने देववासियों को संबोधित किया।

3. महात्मा - गांधी ने नारा दिया - 'करो या मरो'।

4. पंडित ने पैसा - पैसा बचाकर रुपये जोड़े।

5. अध्यापिका ने पाठ पढ़ाना शुरू कर दिया।

5. 1. व्यक्तिवाचक संज्ञा

2. मुख - जातिवाचक संज्ञा, प्रसन्नता - भाववाचक

3. सफलता - भाववाचक कदम - जातिवाचक

4. यूरोप, अमेरिका - व्यक्तिवाचक, यात्रा - भाववाचक

5. चेहरे - जातिवाचक, स्नेह, चमक - भाववाचक

6. 1. बड़े-बड़े विद्वानों, समाज-सेवकों और महापुरुषों ने संघर्ष को जीवन माना है।

2. सागर तक पहुँचनेवाले रास्ते में उसे कई चट्टानों, पत्थरों और लोहा-लक्कड़ से भिड़ने जैसी समस्याओं से संघर्ष करने के बाद नदी को अपनी मंज़िल मिलती है।

PAGE:
DATE: / /

3. कबूतर आँखें बंद करके यह समझता है कि उसकी हार निश्चित है, इसलिए वह संघर्ष नहीं करता।

4. आक्रमण से पहले ही कबूतर द्वारा अपनी हार स्वीकार कर लेने से बिल्ली कबूतर को मारने में सफल हो जाती है।

PAGE:
DATE: / /

पाठ - अलबम

मौखिक प्रश्नोत्तर :

क: पंडित शादीराम ने किससे कर्ज लिया था ?

उ: पंडित शादीराम ने लाला सदानंद से कर्ज लिया था।

ख: लाला सदानंद ने पत्रिकाएँ देखकर उन्हें क्या सुझाव दिया ?

उ: उन्हें सुझाव दिया कि इनमें से अच्छे - अच्छे चित्र निकालकर एक अलबम बनाएँ और चित्रों के शौकीन किसी व्यक्ति को बेचकर पैसे कमाएँ।

ग: उ. यहाँ मनुष्य की लालची प्रवृत्ति तथा असंतोष की भावना उजागर होती है।

घ: उ. पंडित शादीराम ने चित्रों की अलबम बनाकर बेची। उससे प्राप्त रुपयों से उन्होंने अपना कर्ज चुकाया।

लिखित प्रश्नोत्तर :

2क: उ. (i) उनकी सज्जनता एवं भले स्वभाव से पंडित जी

PAGE:
DATE: / /

दबे जा रहे थे और कभी आँख उठाकर बात नहीं कर पाते थे।

ii) पंडित जी अब बिलकुल निराश हो चुके थे। वे सोच रहे थे कि जीवनभर सदानंद जी का पैसा नहीं लौटा पाएँगे

iii) जिस प्रकार दिन में सड़क पर लोगों के चलने के कारण उड़नेवाली धूल रात को नीचे बैठ जाती है, उसी प्रकार कोई

iv) पंडित जी ने लाला सदानंद से कहा कि आज मुझे ऋण का भार उतार लेने दीजिए। मेरे हाथ में पैसे आ गए हैं और मैं आपको ये रुपए अवश्य दूँगा जिससे हल्का महसूस करूँ।

सही विकल्प चुनकर ✓ लगाइए:

क) परोपकारी ख) वे किसी का उधार नहीं रखना चाहते थे। ग) वे लाला सदानंद का कर्ज़ चुकाना चाहते थे,

PAGE:
DATE: / /

भाषा ज्ञान

1. 1) मासिक 2) साप्ताहिक 3) सामाजिक 4) वार्षिक
5) वैचारिक 6) दैनिक 7) नैतिक 8) ऐतिहासिक

2. क) शौक, शोक ख) शाल, साल
ग) स्त्री, इस्तरी घ) हुक्का, जूता

3) क) गोद - संख्या ख) पत्ता, चिट्ठी
ग) हाथ, टैक्स, करना घ) बाण, किनारा

4) i) वे ii) मैं, इनकी iii) थे iv) उन्हें

5) 1) पत्रिकाएँ 2) बालक 3) दिन 4) लकड़ हाथ
5) चित्र 6) कुल्फी / ज़मीन 7) पत्रिका 8) सज़ा

6) की, कि, की, की, कि

7) 1) पाँच सौ रुपए दवा में खर्च हो जाने पर पंडित जी ने सिर पीट लिया।
2) उसकी बुरी हालत देखकर रमेश का दिल काँपने लगा।

PAGE:
DATE: / /

3) माँ-बाप अपना पेट काटकर भी बच्चों को पढ़ाना चाहते हैं।

4) पुत्र के द्वारा अपमानित होने पर शर्मा जी के हृदय पर बरछियाँ चल गई।

व्याकरण :

वर्ण-विचार : (अभ्यास Pg NO -15)

1. क) हिंदी के स्वर वर्ण बताइए

उ: अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ, अं, अः

ख)
क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण
त थ द ध न
प फ ब भ म
य र ल व श
ष स ह
क्ष त्र ज्ञ श्र

ग) स्वर वर्णों के चिह्नों को मात्रा कहा जाता है।

2. क) चाँदनी, गाँव ग) कृपा, कृषि ङ) बाल, माल

ख) रुपया, रुकना घ) रूस, रूप च) बौना, लौकी

PAGE:
DATE: /

3. क) आँ ख) तीन ग) प्लुत घ) बीच में

4. क) क, ख, ग, घ ग) श, ष, स, ह

ख) य, र, ल, व घ) क्ष, त्र, ज्ञ, श्र

5. क) ह्य - वाह्य घ) फ़्त - हफ़्ता

ख) ध्न - विध्न ङ) ब्ब - अब्बा

ग) क्ष - क्षमा च) ज्ञ - ज्ञान

6. क) रमा, करेला, अमर

ख) क्रम, शुक्र, चक्र

ग) कार्य, सूर्य, कर्म

घ) ट्रेन, ट्रक, ड्रम

7. क) व् + इ + श् + आ + ल् + अ

ख) प् + अ + ड् + क् + त् + इ

ग) ह् + ऋ + ष् + ट् + इ

घ) अ + म् + ऋ + त् + अ

ङ) च् + अ + न् + द् + र् + अ + म् + आ

PAGE:
DATE: / /

व्याकरण - संधि और समास

1. क) संधि में दो ध्वनियों का मेल होता है।

ख) संधि से बने शब्दों को अलग-अलग करके लिखने की प्रक्रिया को संधि-विच्छेद कहते हैं।

ग) संधि के तीन भेद होते हैं -

स्वर संधि, व्यंजन संधि और विसर्ग संधि।

2. क) सूर्य + उदय

ख) पुस्तक + आलय

ग) पर + उपकार

घ) सदा + एव

घ) गौ + अक

ङ) अनु + छेद

च) नमः + ते

3. क) हिमालय - दीर्घसंधि

ख) तथैव - वृद्धि संधि

ग) भवन - अयादि संधि

घ) दिनेक - गुण संधि

ङ) इत्यादि - यण संधि

4.

क) नीला है जो कमल / कर्मधारय

ख) नौ रत्नों का समूह / द्विगु

ग) पाप या पुण्य / द्वंद्व

घ) मन को हरने वाला / तत्पुरुष

ङ) परिवार के साथ / अव्ययीभाव

च) गज जैसा आनन है जिसका अर्थात् गणेश / बहुव्रीहि

छ) महान है जो आत्मा / कर्मधारय

5.

क) पाठशाला

ख) अंधविश्वास

ग) चक्रपाणि

घ) चतुर्भुज

ङ) थोड़ा-बहुत

च) अष्टाध्यायी

छ) प्रधानाध्यापक